

Model Answer

Que. Discuss in detail about the “urban sphere of influence”

The *urban sphere of influence* refers to the geographical area surrounding an urban center where the city's economic, social, cultural, and infrastructural impacts are strongly felt. It highlights the extent to which urban centers influence surrounding rural or peri-urban areas, shaping their development patterns, lifestyles, and resource utilization.

Key Features of the Urban Sphere of Influence

1. Economic Linkages:

- Urban areas act as hubs for employment, trade, and commerce.
- Villages and smaller towns in the sphere depend on cities for markets, raw materials, and finished goods.

2. Social and Cultural Impact:

- Urban lifestyles, education, and healthcare facilities extend their reach into rural regions.
- Rural communities adopt urban trends, leading to a blend of rural and urban cultures.

3. Infrastructure Expansion:

- Development of transportation, communication, and utilities from urban areas benefits peripheral regions.
- Industrial zones and residential areas emerge along transport corridors.

4. Environmental Effects:

- Urban sprawl leads to deforestation, loss of agricultural land, and pollution in nearby areas.

5. Administrative Influence:

- Urban areas influence governance and policy decisions in their peripheries, impacting land use and resource allocation.

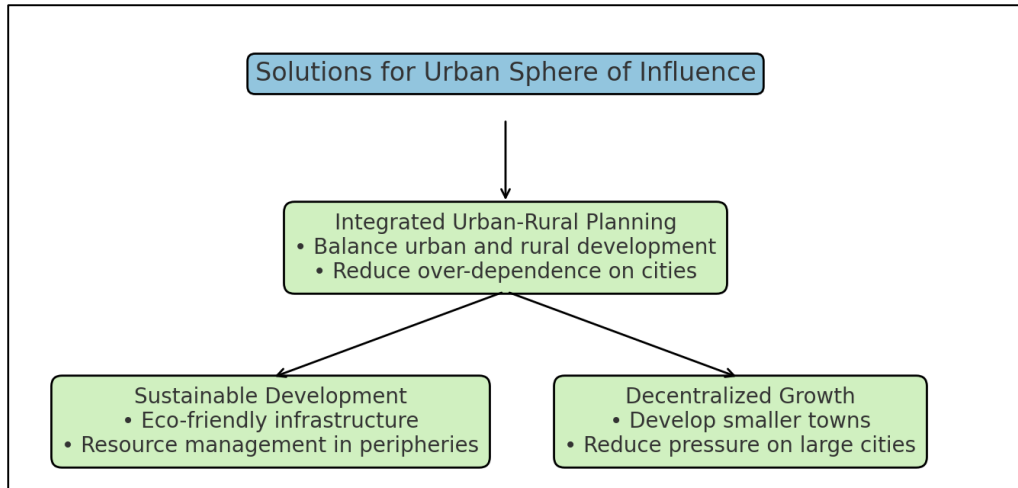
Impacts of Urban Sphere of Influence

Positive Impacts:

- **Economic Growth:** Enhanced trade, industrial development, and job creation in peripheral areas.
- **Improved Infrastructure:** Better roads, healthcare, and education facilities for nearby rural areas.
- **Social Modernization:** Adoption of urban lifestyles and access to modern amenities.

Negative Impacts:

- **Urban Sprawl:** Unplanned expansion causing loss of agricultural land.
- **Environmental Degradation:** Deforestation, water pollution, and resource overexploitation.
- **Social Inequalities:** Widening gap between urban and rural populations in terms of access to resources.



The urban sphere of influence is a vital concept for understanding the interaction between cities and their surrounding areas. While it fosters economic growth and modernization, it also presents challenges like environmental degradation and inequality. Effective planning and sustainable policies can ensure balanced development, benefiting both urban and rural areas alike.

प्रश्न: "शहरी प्रभाव क्षेत्र" (Urban Sphere of Influence) पर विस्तार से चर्चा करें।

शहरी प्रभाव क्षेत्र से तात्पर्य शहरी केंद्र के आस-पास के भौगोलिक क्षेत्र से है, जहाँ शहर के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और अवसंरचना पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि शहरी केंद्र किस हद तक आस-पास के ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों को प्रभावित करते हैं, उनके विकास, जीवन शैली और संसाधन उपयोग को आकार देते हैं।

शहरी प्रभाव क्षेत्र की मुख्य विशेषताएं

• **आर्थिक संबंध:**

- शहरी क्षेत्र रोजगार, व्यापार और वाणिज्य के केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।
- इस क्षेत्र के गांव और छोटे शहर बाजार, कच्चे माल और तैयार माल के लिए शहरों पर निर्भर हैं।

• **सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव:**

- शहरी जीवनशैली, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँच रही हैं।
- ग्रामीण समुदाय शहरी रुझानों को अपनाते हैं, जिससे ग्रामीण और शहरी संस्कृतियों का मिश्रण होता है।

• **अवसंरचना का विस्तार:**

- शहरी क्षेत्रों से परिवहन, संचार और उपयोगिताओं के विकास से परिधीय क्षेत्रों को लाभ मिलता है।
- परिवहन गलियारों के साथ औद्योगिक क्षेत्र और आवासीय क्षेत्र उभरते हैं।

• **पर्यावरण संबंधी प्रभाव:**

- शहरी विस्तार से वनों की कटाई, कृषि भूमि क्षरण, तथा आस-पास के क्षेत्रों में प्रदूषण बढ़ता है।

• **प्रशासनिक प्रभाव:**

- शहरी क्षेत्र अपनी परिधि में शासन और नीतिगत निर्णयों को प्रभावित करते हैं, भूमि उपयोग और संसाधन आवंटन को प्रभावित करते हैं।

शहरी प्रभाव क्षेत्र के प्रभाव

सकारात्मक प्रभाव:

- **आर्थिक वृद्धि:** परिधीय क्षेत्रों में व्यापार, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा।
- **उन्नत अवसंरचना:** आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बेहतर सड़कें, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा सुविधाएँ।
- **सामाजिक आधुनिकीकरण:** शहरी जीवन शैली को अपनाना और आधुनिक सुविधाओं तक पहुँच।

नकारात्मक प्रभाव:

- **शहरी विस्तार:** अनियोजित विस्तार के कारण कृषि भूमि का क्षरण हो रहा है।
- **पर्यावरण का क्षरण:** वनोंमूलन, जल प्रदूषण और संसाधनों का अतिदोहन।
- **सामाजिक असमानताएँ:** संसाधनों तक पहुँच के मामले में शहरी और ग्रामीण आबादी के बीच बढ़ता अंतर।

शहरी प्रभाव क्षेत्र के लिए समाधान

- एकीकृत शहरी-ग्रामीण नियोजन
- शहरी और ग्रामीण विकास में संतुलन
- शहरों पर अत्यधिक निर्भरता कम करना

- सतत विकास
- पर्यावरण के अनुकूल बुनियादी ढाँचा
- परिक्षेत्रों में संसाधन प्रबंधन
- विकेन्द्रीकृत विकास
- छोटे शहरों का विकास
- बड़े शहरों पर दबाव कम करना

शहरी प्रभाव क्षेत्र शहरों और उनके आस-पास के क्षेत्रों के बीच परस्पर क्रिया को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण अवधारणा है। जबकि यह आर्थिक विकास और आधुनिकीकरण को बढ़ावा देता है, यह पर्यावरणीय गिरावट और असमानता जैसी चुनौतियों को भी प्रस्तुत करता है। प्रभावी नियोजन और सतत नीतियां संतुलित विकास सुनिश्चित कर सकती हैं, जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों को समान रूप से लाभ मिल सकता है।